तुर्की से सलीम डोला की वापसी बड़ी उपलब्धि

ड्रग तस्करी नेटवर्क के तहत डोला को भारत लाया गया : शाह

▸ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर एन सी बी की बड़ी जीत

नयी दिल्ली 28 अप्रैल केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि नार्को सिंडिकेट के खिलाफ सरकार की 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति के अनुरूप, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एन सी बी) ने तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है.

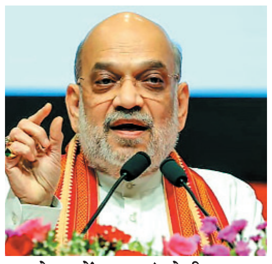

श्री शाह ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार की नार्को सिंडिकेट के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत एन सी बी ने तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है।' उन्होंने कहा कि ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के सरकार के मिशन के तहत, हमारी नार्कोटिक्सरोधी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मज़बूत नेटवर्क के ज़रिए सीमाओं के पार भी अपनी पकड़ बना ली है। उन्होंने कहा कि ड्रग सरगना कहीं भी छिप जाएं, अब उनके लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

सलीम डोला की वापसी सरकार के सभी नार्कोटिक्स भगोड़ों और संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्यों को कानून के कटघरे में लाने के मज़बूत इरादे को दर्शाती है। एन सी बी ने अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर, 'ऑपरेशन ग्लोबल-हंट' के तहत वांछित ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को तुर्की से वापस लाने में सफलता हासिल की है। सुबह यहां इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर पहुँचते ही एन सी बी ने उसे हिरासत में ले लिया. सलीम डोला (59 वर्ष, मुंबई निवासी) के खिलाफ मार्च, 2024 में भारत के अनुरोध पर इंटरपोल रेड नोटिस जारी किया गया था। भारत में कई नशीले पदार्थों की तस्करी के मामलों में मुकदमा चलाने के लिए उसकी तलाश थी और वह भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गिरफ्त से बाहर था.

> डोला के दो दशकों के आपराधिक इतिहास में महाराष्ट्र और गुजरात में हेरोइन, चरस, मेफेड्रोन, मैंड्रेक्स और मेथामफेटामाइन की बड़ी खेप पकड़े जाने से जुड़े मामलों में डोला की सीधी भूमिका है। सलीम डोला की भूमिका भारत में निचले स्तर के वितरण नेटवर्क के लिए एक थोक सप्लायर के रूप में लगातार सामने आती रही है। इसके अलावा, गुजरात ए टी एस और मुंबई पुलिस को भी उसकी तलाश थी। इससे पहले, उसके बेटे ताहिल सलीम डोला और अन्य सहयोगियों को 2025 में संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पण के बाद मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था.

भाजपा गढ़ में ओवैसी ने मारी एन्ट्री

▸ गुजरात में सियासी बदलाव

गांधीनगर, 28 अप्रैल राजनीतिक रूप से भाजपा का मजबूत गढ़ माने जाने वाले गुजरात में इस बार निकाय चुनाव के नतीजों ने चौंकाने वाले संकेत दिए हैं। जहां एक ओर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश में रही, वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम ने अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है.

कच्छ के भुज में एआईएमआईएम ने पहली बार जीत दर्ज कर अपना खाता खोला।

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के तीन उम्मीदवारों की जीत ने यह संकेत दिया है कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में मतदाता नए विकल्पों को स्वीकार कर रहे हैं। भाजपा के मजबूत प्रभाव वाले इस इलाके में एआईएमआईएम की एंट्री राजनीतिक विश्लेषकों के लिए खास मायने रखती है।

कुटियाना में सपा का जलवा

पोरबंदर के कुटियाना से लेकर कच्छ के भुज तक, इन दलों ने जीत दर्ज कर यह संकेत दिया है कि मतदाता अब पारंपरिक विकल्पों से आगे सोच रहे हैं। खासतौर पर अखिलेश यादव की सपा और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम का प्रदर्शन आने वाले समय में राज्य की राजनीति को प्रभावित कर सकता है। पोरबंदर जिले के कुटियाना नगर पालिका में समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार रभीबेन कानाभाई रायगा की जीत ने सबका ध्यान खींचा है। यह जीत सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संदेश की है जो बताता है कि अखिलेश यादव की पार्टी अब गुजरात जैसे राज्य में भी अपनी जमीन तलाश रही है.

डोडा में लगे पाकिस्तान समर्थक पोस्टर

डोडा 28 अप्रैल. जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में उस समय माहौल अचानक गर्म हो गया, जब पुल डोडा इलाके की दीवारों पर पाकिस्तान से जुड़े विवादित पोस्टर दिखाई दिए। इन पोस्टरों के सामने आते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों के बीच चिंता का माहौल बन गया। पोस्टरों में शहबाज शरीफ, असिम मुनीर और पाकिस्तानी झंडे की तस्वीरें लगी हुई थीं, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया.

केजरीवाल और सिसोदिया ने किया सत्याग्रह

▸ सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

नई दिल्ली, 28 अप्रैल. आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और वरिष्ठ नेता एवं पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि पर नमन करते हुए सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया.

श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि आज मनीष सिसोदिया और अन्य साथियों के साथ राजघाट पहुंच कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को नमन किया। मेरी बापू से यही प्रार्थना है कि उनके दिखाए सत्याग्रह के मार्ग पर चलने के हमारे संकल्प को वे सदैव शक्ति दें. मेरा अटूट विश्वास है कि बापू के आशीर्वाद से, सत्याग्रह के इस कठिन पथ पर हम पूर्ण निष्ठा के साथ अडिग रहेंगे. बाद में मीडिया से बातचीत के दौरान श्री केजरीवाल ने कहा कि मामला अदालत का है.

आज का इतिहास

- 1639 दिल्ली में शाहजहां ने ऐतिहासिक लाल किले की नींव रखी.
- 1661 चीन के मिंग वंश ने ताइवान पर कब्जा किया.
- 1813 अमेरिका में जेएफ हम्मेल ने रबर का पेटेंट कराया.
- 1848 मशहूर चित्रकार राजा रवि वर्मा का जन्म.
- 1903 महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका के ट्रांसवाल हाईकोर्ट में लीगल प्रेक्टिस शुरू की और वहां ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की .
- 1920 महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम का निधन.
- 1930 ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेलिफोन सेवा की शुरुआत हुई.

दक्षिण हरियाणा में सियासी

▸ राव बनाम कैप्टन आमने-सामने

चंडीगढ़, 28 अप्रैल क्षिण हरियाणा के रेवाड़ी और धारूहेड़ा में निकाय चुनाव ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है। यह चुनाव अब सिर्फ नगर परिषद या नगरपालिका के गठन तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि यह दो कद्दावर नेताओं—राव इंद्रजीत सिंह और कैप्टन अजय सिंह यादव—के बीच प्रतिष्ठा की सीधी लड़ाई बन चुका है.

रेवाड़ी नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी ने विनीता पीपल को मैदान में उतारा है, जिन्हें राव इंद्रजीत का करीबी माना जाता है। पार्टी में कई दावेदार होने के बावजूद टिकट वितरण में राव का प्रभाव साफ तौर पर देखा गया। दूसरी ओर कांग्रेस ने निहारिका चौधरी पर दांव खेला है, जिन्हें कैप्टन अजय यादव का समर्थन प्राप्त है। निहारिका के नामांकन के दौरान कैप्टन खुद अपने बेटे के साथ मौजूद रहे और चुनाव प्रचार की कमान भी संभाल रखी है। वहीं राव इंद्रजीत सिंह भी अपने समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में लगातार जनसभाएं और प्रचार अभियान चला रहे हैं.

> धारूहेड़ा में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। यहां कांग्रेस ने कुमारी राज को उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें कैप्टन खेमे का करीबी माना जाता है। वहीं भाजपा ने अजय जांगड़ा को मैदान में उतारा है, जो राव के विश्वासपात्र माने जाते हैं। इस पूरे चुनावी परिदृश्य में दिलचस्प बात यह है कि दोनों दलों के भीतर विरोधी गुट भी सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने खुलकर विरोध करने के बजाय चुप्पी साध रखी है। कई नेता अंदरखाने समीकरण साधने में जुटे हैं, जिससे मुकाबला और भी पेचीदा हो गया है। कुल मिलाकर, दक्षिण हरियाणा के ये निकाय चुनाव भविष्य की राजनीति की दिशा तय करने वाले साबित हो सकते हैं .

पंजाब रेल ट्रैक ब्लास्ट में 4 गिरफ्तार

पटियाला, 28 अप्रैल. पजाब के पटियाला जिले में रेलवे ट्रैक पर हुए धमाके के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और विदेशों में सक्रिय खालिस्तानी संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं। यह घटना सिर्फ एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि राज्य की सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए गंभीर खतरे के रूप में देखी जा रही है.

डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा के दर्शन

देहरादून/रूद्रप्रयाग 28 अप्रैल. उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जनपद अंतर्गत स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा इस वर्ष सफलता की नई मिसाल पेश कर रही है. यात्रा शुरू होने के मात्र पांच दिनों के भीतर ही डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं.

बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल, हेलीकॉप्टर, डंडी-कंडी के साथ-साथ घोड़े-खच्चरों के माध्यम से धाम तक पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा सुगम और व्यवस्थित बनी हुई है. यह यात्रा घोड़ा-खच्चर के संचालन से काफी सुगम हुई है. इन घोड़ा खच्चरों के लिए 19 स्थानों पर गर्म पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत ने बताया कि इस वर्ष 8,300 घोड़े-खच्चरों का फिटनेस परीक्षण किया गया है, जबकि 7,359 का डिजिटलीकरण कर पंजीकरण सुनिश्चित किया गया है. इन्हीं पंजीकृत पशुओं का उपयोग श्रद्धालुओं के आवागमन और माल ढुलाई में किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि 19 हजार श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ ले चुके हैं. पशुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए छह स्थानों पर अनवरत गर्म पानी की व्यवस्था की गई है, वहीं 13 स्थानों पर गीजर के माध्यम से गर्म पानी उपलब्ध कराया जा रहा है. उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चरों की निगरानी के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है.

नगर परिषद कार्यालय में दिनदहाड़े गोलीबारी

सुल्तानगंज, भागलपुर 28 अप्रैल बिहार के सुल्तानगंज में नगर परिषद कार्यालय के अंदर हुई दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया है। अज्ञात अपराधियों ने बेखौफ होकर कार्यालय में घुसकर नगर सभापति राज कुमार गुड्डू और कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) कृष्णा भूषण कुमार को निशाना बनाया। ताबड़तोड़ फायरिंग में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से ईओ की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हमले ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिन के उजाले में सरकारी दफ्तर के भीतर इस तरह की वारदात ने लोगों में भय और आक्रोश दोनों पैदा कर दिया है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है.

हिजबुल्लाह से खतरा पूरी तरह खत्म नहीं : नेतन्याह

▸ 122 मिमी रॉकेट और ड्रोन अब भी चुनौती

यरुशलम, इजरायल 28 अप्रैल. मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह से उत्पन्न खतरे को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भले ही इजरायली सेना ने कई बड़े खतरों को खत्म कर दिया हो, लेकिन 122 मिमी रॉकेट और ड्रोन अब भी देश की सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

लेबनान सीमा पर सुरक्षा हालात को लेकर हुई उच्चस्तरीय बैठक में नेतन्याहू ने सैन्य अधिकारियों से चर्चा की और चल रहे अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने सेना की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि इजरायल अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रहा है।

ममता की सीट पर सीआरपीएफ का फ्लैग मार्च

दूसरे चरण से पहले बंगाल में हिंसा, जवान घायल

▸ चुनाव से पहले गिरफ्तारियां तेज, 500 करोड़ से ज्यादा

कोलकाता, 28 अप्रैल. पश्चिम बंगाल में बुधवार को 142 सीटों पर वोटिंग होनी है. इसको लेकर राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. ममता की भवानीपुर सीट पर मंगलवार को सीआरपीएफ ने फ्लैग मार्च निकाला. इस सीट पर ममता बनर्जी के खिलाफ सुवेंदु अधिकारी को मैदान में उतारे जाने से मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है. मतदान से पहले ही राज्य के कई हिस्सों से हिंसा और तनाव की खबरें सामने आई हैं. उत्तर 24 परगना के भाटपारा में भाजपा उम्मीदवार के घर के बाहर गोलीबारी हुई, जिसमें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया. पुलिस ने इस मामले में एक पार्षद सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है. वहीं हावड़ा में एक पोलिंग बूथ के पास से आठ क्रूड बम बरामद किए गए हैं.

चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस ने अब तक 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सत्तारूढ़ दल के नेता भी शामिल हैं. इसके अलावा राज्यभर में 500 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध सामग्री जब्त की गई है, जिसमें नकदी, शराब, ड्रग्स और कीमती धातुएं शामिल हैं. इसी बीच हुगली के गोघाट में तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिताली बाग की गाड़ी पर हमला हुआ, जिसमें वह घायल हो गईं. उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज किया है. मतदान की तैयारियों के बीच कोलकाता में एक महिला पोलिंग कर्मचारी गर्मी के कारण बेहोश हो गई.

दक्षिणी मैदानों में तय होगी सत्ता की असली दिशा

कोलकाता, 28 अप्रैल (वार्ता) रिची रोड की सामान्यत: शांत रहने वाली सड़क पर बेचैनी का असाधारण नजारा नजर आया और मैडॉक्स स्क्वायर के पास स्थित सौ वर्ष से अधिक पुराने सेंट लॉरेंस स्कूल परिसर में लाउडस्पीकरों की आवाज गूंज रही थी। मतदान अधिकारी, सुरक्षा कर्मी, बसों की लंबी कतारें, अंतिम निर्देश, कागजी औपचारिकताएं और चेहरे पर जिम्मेदारी का तनाव। यह केवल चुनावी तैयारी नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक भविष्य की धड़कन थी। ऐसा ही दृश्य दक्षिण बंगाल के अनेक वितरण केंद्रों पर दोहराया जा रहा है, जहां दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से पहले प्रशासनिक मशीनरी पूरी ताकत से सक्रिय है। बुधवार को 294 सदस्यीय विधानसभा की 142 सीटों पर मतदान होना है, लेकिन संख्या से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है इन सीटों का राजनीतिक वजन। कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना सहित दक्षिण बंगाल के कई हिस्से केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि बंगाल की जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, इतिहास और सत्ता-संतुलन का केंद्र है। राज्य की लगभग आधी आबादी इसी हिस्से में बसती है। उपजाऊ गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा, बंदरगाह, औद्योगिक पट्टी और ऐतिहासिक शहरीकरण ने इसे बंगाल की राजनीतिक आत्मा बना दिया है। यही कारण है कि चुनाव विश्लेषक इस चरण को निर्णायक मान रहे हैं। वर्ष 2021 में इसी दक्षिणी पट्टी ने तृणमूल कांग्रेस को प्रचंड बढ़त दी थी। यहां तृणमूल ने 123 सीटें जीतकर अपनी सत्ता की नींव मजबूत की थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महज 18 सीटों पर सिमट गयी थी। इस बार तस्वीर वही रहेगी या बदल जाएगी, यही सबसे बड़ा प्रश्न है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह अपनी सबसे मजबूत जमीन बचाने की लड़ाई है, जबकि भाजपा के लिए यही वह रणभूमि है जहां उसे सत्ता परिवर्तन का वास्तविक दावा सिद्ध करना होगा। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगभग रोज राज्य में सक्रिय रहे, केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी ने भी इस संघर्ष को राष्ट्रीय महत्व दे दिया.

मनीष सिसोदिया ने भी पेश होने से किया इनकार

नई दिल्ली. दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बाद अब दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को पत्र लिखकर सूचित किया है कि न तो वह और न ही उनके वकील उनकी अदालत में पेश होंगे. सिसोदिया ने अपने पत्र और सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पूर्ण सम्मान के साथ, उनकी अंतरात्मा उन्हें वर्तमान परिस्थितियों में न्यायमूर्ति के समक्ष कार्यवाही में भाग लेना जारी रखने की अनुमति नहीं देती है.

जम्मू-कश्मीर को केंद्र से मिली बड़ी सौगात

▸ 3566 करोड़ रु. की सड़कों की स्वीकृति के साथ ग्रामीण प्रगति को नई रफ्तार

▸ 4568 .23 करोड़ रुपये से अधिक की मदर सैंक्शन जारी

श्रीनगर/ नई दिल्ली, 28 अप्रैल. जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण बुनियादी ढांचे, महिला सशक्तिकरण और कृषि-आधारित समृद्धि को आज बड़ा बल मिला, जब केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रीनगर के एसकेआईसीसी में आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का पत्र मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को मंच पर ही सौंपा, साथ ही 24 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 4568.23 करोड़ रुपये से अधिक की मदर सैंक्शन जारी की. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उमर अब्दल्ला, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, जम्मू-कश्मीर के कृषि, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री जावेद अहमद डार, नेता प्रतिपक्ष सुनील कुमार शर्मा, सांसदगण, अनेक विधायक, केंद्रीय ग्रामीण विकास सचिव रोहित कंसल तथा जम्मू-कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और दीदियों की उपस्थिति रही.

चीन के किनझोऊ में बारिश से हाहाकार

किनझोऊ 28 अप्रैल चीन के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित किनझोऊ इन दिनों भारी बारिश के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। रविवार सुबह से शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने सोमवार तक विकराल रूप ले लिया, जिससे पूरा शहर जलमग्न हो गया। सड़कों से लेकर घरों और दुकानों तक पानी भर गया है, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात इतने खराब हैं कि कई इलाकों में लोगों को नाव का सहारा लेकर आवाजाही करनी पड़ रही है.

स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, किनझोऊ के किननान जिले में रिकॉर्ड 362.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो अत्यंत भारी बारिश की श्रेणी में आती है। अचानक आई इस आपदा ने हजारों वाहनों को जलमग्न कर दिया और कई लोग अपने घरों में फंस गए. प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेड अलर्ट जारी कर दिया है और बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। किनझोऊ में हुई इस भारी बारिश ने एक तरह से आपदा का रूप ले लिया है। सोमवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ एक घंटे में 143.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो अपने आप में बेहद असामान्य है। सुबह 6 से 8 बजे के बीच शहर और आसपास के इलाकों में 200 मिमी से अधिक बारिश हुई, जिससे जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई। शहर के कई हिस्सों में पानी इतना भर गया कि सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं। निचले इलाकों में घरों और दुकानों में पानी घुस गया, जिससे लोगों का सामान और जीवन प्रभावित हुआ है। स्थानीय प्रशासन को लगातार आपातकालीन कॉल मिल रहे हैं, जिनमें लोग अपने फंसे होने की सूचना दे रहे हैं. इसके साथ ही तेज हवाओं, बिजली गिरने और भूस्खलन का खतरा भी बना हुआ है, खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का संकेत भी हो सकती है.

कार्यक्रम | ऑपरेशन सिंदूर से दिखा भारत का कड़ा इरादा

दोहरा रवैया नहीं चलेगा - राजनाथ

नई दिल्ली, 28 अप्रैल. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताते हुए आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी बुराइयों से निपटने के लिए आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को समाप्त करने और किसी भी राजनीतिक अपवाद को अस्वीकार करते हुए एकजुट मोर्चा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है.

श्री सिंह ने मंगलवार को किर्गिज़स्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के उस दृढ़ संकल्प का प्रतीक है कि आतंकवाद के गढ़ अब न्यायोचित दंड से अछूते नहीं रहेंगे। उन्होंने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी बुराइयों से निपटने के लिए सुरक्षित ठिकानों को समाप्त करने और किसी भी राजनीतिक अपवाद को अस्वीकार करते हुए एकजुट मोर्चा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने कहा कि देश द्वारा प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद, जो किसी राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला करता है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि दोहरे मापदंडों के लिए कोई स्थान नहीं है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि एससीओ को उन लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए जो आतंकवादियों को सहायता, शरण और सुरक्षित ठिकाने प्रदान करते हैं. उन्होंने कहा कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का बिना किसी अपवाद के सामना करके, हम क्षेत्रीय सुरक्षा को एक चुनौती से शांति और समृद्धि के आधार स्तंभ में बदलते हैं.

> **बल के बजाय संवाद पर जोर**
>
> रक्षा मंत्री ने कहा, 'हमें संवाद और कूटनीति के मार्ग पर चलना चाहिए, न कि निरंतर बल प्रयोग के मार्ग पर। हमें इसे हिंसा और युद्ध का युग नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि शांति और समृद्धि का युग बनाना चाहिए। मैं महात्मा गांधी के उस संदेश को याद दिलाना चाहता हूं कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है, और हर कार्य से पहले हमें सोचना चाहिए कि वह कार्य गरीब और जरूरतमंद के जीवन में क्या बदलाव ला सकता है। रक्षा और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों के रूप में, हमें भाईचारे और सद्भावना की इस भावना को बनाए रखने की जिम्मेदारी है.